वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

वर्ष 2023–24

प्रधान कार्यालय

आशोका तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान

वार्ड नं0 23, ढ़ोलम बाईपास छीपाबड़ौद, तहसील–छीपाबडौद, जिला.बारां,राजस्थान, पिन.325221

Gmail Id– atvp297@gmail.com, kalyansingh0605@gmail.com

Contact No - 9413517350, 9785940748

मुख्यकार्यकारी अधिकारी की कलम से.....

मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है कि ***अशोका तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान*** की वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 आपके हाथो में है। जैसा कि विदित है कि अशोका तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान बारां जिले में पिछले 25 वर्षो से ग्रामीण विकास के लिए अनवरत प्रयासरत है। ग्रामीण विकास के उददेश्य को अहम मुददा मानते हुए संस्था का यह सफर लगातार जारी है।

अन्य वर्षो की तरह इस वर्ष भी संस्था के माध्यम से अनेक कल्याणकारी योजनाओ का संचालन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से कार्यक्षेत्र के किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूहो के लिए आजीविका के संसाधन जुटाना, गरीब, बेघर और अनाथों को इन्दिरा रसोई के माध्यम से भोजन करवाना, सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान, गरीब वर्ग के बाल श्रमिको के लिए शिक्षा की स्थिति को सुदढ करना व जागरूक अभियानो का संचालन करना और अतिगरीबत परिवारों के साथ लगातार सम्पर्क व सहयोग करना प्रमुख रहा है। इसके साथ – साथ किसान वर्ग के विकास व आजीविका को सुनिश्चित करने के लिए कल्याणकारी योजनाओ का संचालन किया गया।

मैं सभी सहयोगी सरकारी विभाग, साथी गैर सरकारी संस्थाऐ व संस्था के कार्यकारी समिति के सदस्यो व संस्था के कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त करता हू जिनके कारण संस्था को उचित मार्गदर्शन व सहयोग मिला।

धन्यवाद।

सचिव
कल्याण सिंह कुशवाहा
मो. 09413517350

संस्था की पृष्ठभूमि:

अशोका तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, 1990 में एक युवा समूह का युवा मंच था जो कि सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत था व सामाजिक विकास की गतिविधियो में भाग लेता था। बाद में युवा मंच द्वारा यह निर्णय लिया गया कि मंच का आधिकारिक रूप से रजिस्ट्रीकरण हो व ग्रामीण समुदाय के विकास के लिए जारी योजनाओ की पहुच आमजन तक हो। कुछ वर्षो पूर्व बारां जिले में छबडा शहर के समीप स्थित भूलोन रेल्वे स्टेशन के पास हुई भीषण रेल दुर्घटना के बाद युवा मंच द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संस्था की आगामी कार्ययोजना गरीब व पिछडे वर्ग के विकास के लिए कार्य किया जायेगा।

संस्था का परिचय:

अशोका तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थानविगत 20वर्षो से बारां जिले में ग्रामीण विकास के लिए प्रयासरत हैं। संस्था राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 (राजस्थान अधिनियम संख्या 28,1958) के अर्न्तगत रजिस्ट्रीकरण किया गया तथा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12ए के अधीन पंजीकृत हैं। संस्था का आधिकारिक रूप से रजिस्ट्रीकरण 30 अप्रेल 1997 को हुआ था।

संस्था वर्तमान में राजस्थान के बारां जिले की नगर पालिका छबड़ा, मांगरोल, अन्ता एवं ब्लॉक छीपाबडौद की 30 ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक अटरू की 20 ग्राम पंचायतों में कार्य रहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रही आम जनता तक सरकारी योजनाओं की जानकारी दे उन्हें मुख्य रूप से आजीविका गतिविधियों से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा हैं। नाबार्ड द्वारा संचालित स्वाधारिणी परियोजना में बनाये गये गरीब परिवारों के महिला स्वयं सहायता समूह एवं शहरी आजीविका मिशन के समूहों को बैंक से लोन दिलाकर उनकी हर माह बैठक लेकर सुचारू रूप से चलाये जा रहें है। और इन समूहों के सदस्यों को लाभान्वित कर उनको आजीविका से जोडने का प्रयास किया जा रहा हैं। नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा प्रगतिशील कृषक एग्रो प्रोडूसर कम्पनी लि0 के माध्यम से कृषि सम्बन्धित सेवाऐं दी जा रही है। तथा कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं क्षेत्र के आस–पास के सक्रिय किसान, जैविक खाद केन्द्र का भ्रमण करवाकर तकनीकी खेती करने की जानकारियां दी जा रहा हैं। पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए संस्था पर्यावरण जागरूक रैलीयों व पर्यावरण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा हैं तथा सार्वजनिक स्थलों पर पौधा रोपाण का कार्य किया जा रहा हैं। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संचार मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से उच्च प्राथमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राएं एवं समुदाय के लोगों के साथ स्थानीय व क्षेत्रीय ज्ञान विज्ञान, वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक समाधान द्वारा प्रकृति पुनर्जीविकरण तथा ईको यूरेका प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा पारिस्थतिकीय पुनर्जीविकरण किया जा रहा है। इन्दिरा रसोई योजना के माध्यम से गरीबों को 8रू में भोजन करवाया जा रहा है।

मिशन व विजनः

ग्रामीण विकास के लिए सतत् प्रयास करना जिसमें उन्नत जागरूकता के साथ सामाजिक जीवन का विकास हो, निम्न वर्ग का उत्थान किया जा सके व हर वर्ग की आजीविका के साधनो तक पहुंच हो।

संस्था के उददेश्यः

- ग्रामीण युवाओ व नागरिको के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, बौधिक एवं शारारिक विकास के लिए मंच तैयार करना एवं युवा कल्याण के लिए रचनात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, दहेज विरोधी अभियान चलाना, बालश्रम व बाल विवाह पर रोक लगवाना।
- ग्रामीण युवाओ में आत्म निर्भरता, सहयोग तथा स्वेच्छा से समाज सेवा करने की भावना पैदा करना तथा युवाओ में चरित्र, स्वास्थ्य, अनुशासन, अच्छे नेतृत्व के गुण, मितव्यता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करना।
- महिलाओ व बच्चो के सर्वागीण विकास जिसमें शैक्षणि**क**, स्वास्थ्य, आर्थिक, औधोगिक, कुटीर उधोग, कृषि, खादी ग्रामोधोग पुर्नस्थापना, निराश्रितो को संरक्षण एवं आवासीय समस्याओ को सुलझाना।
- पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए जनमानस तैयार करना व ऐसी कार्यशालाओ का निर्माण करना जहां से जन कल्याण के लिए विभिन्न विषयो पर शोध हो सके।
- गरीब व असक्षम लौगो के लिए शिक्षा, चिकित्सा व रोजगार उपलब्ध करवाना तथा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त कर लाभान्वित करना।
- विभिन्न सरकारी योजनाओ की क्रियान्विति हेतु शिविर आयोजित कर आम लौगो तक पहुंचाना व सर्वे आदि कर यथा स्थिति का पता लगाना।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति , अन्य पिछडे वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओ व पुरूषो को विभिन्न वितिय संस्थाओ की जानकारी देना एवं वितिय संसाधन उपलब्ध करवाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
- कृषि करने वाले कृषकों तकनीकी खेती की जानकारियां देकर तकनीकी खेती करवाना।
- कृषकों को समय समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी प्रदान करना।
- संस्था कार्यक्षेत्र के प्रत्येक गांवों में रैली व स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से गांव स्वच्छता लाना।

संस्था का कार्यक्षेत्रः

संस्था राजस्थान के बारां जिले की नगर–पालिका छबड़ा, नगर–पालिका अन्ता, नगर–पालिका मांगरोल एवं ब्लॉक छीपाबड़ौद की 4व ग्राम पंचायतों व ब्लॉक अटरू की 25 ग्राम पंचायतों में नियमित कार्य कर रही हैं। इनमें से ब्लॉक छीपाबड़ौद की दिगोद खालसा, गगचाना, पछाड़, कुम्भाखेड़ी, कचनारियाकला, सेतकालू, खेड़ला जागीर, काल्पा जागीर, गोरधनपुरा और छीपाबड़ौद इन दस ग्राम पंचायतों में संस्था सघन रूप से कार्य कर रही हैं। संस्था द्वारा आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि व पर्यावरण, रोजगार के क्षेत्र में भी कार्य किये जा रहे हैं।

- **आजीविका के क्षेत्र में** :– स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से शोध करके समूहो के सदस्यों को उनकी क्षमता के अनुसार आजीविका से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं। समुहों के सदस्यों को पशु पालन, हथकरघा बुनाई, मनीहारी, किराने एवं आईएमसी की दवाओं, ब्युटी–पार्लर, कागज, कपडे की थैलियां आदि की दुकान खुलवाकर इन्हे आत्मनिर्भर गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं।

- **शिक्षा के क्षेत्र में** :–संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों एवं कम्पनी के किसान सदस्यों को बैठकों के दौरान शिक्षा से संबधित जानकारीया दी जा रही हैं तथा शिक्षा का महत्व समझाया जा रहा हैं। तथा शिक्षा से वचिंत बच्चाओं को स्कुल में भिजवाया जा रहा है। किसानो के बच्चो बालश्रम मुक्त जयपुर अभियान के माध्यम से ब्लॉक छीपाबडौद क्षेत्र के शिक्षा से वंचित 6 से 14 वर्ष आयु वाले बच्चों को शिक्षा से जोडने के लिए नोडल केन्द्रों पर SMC के सदस्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया।

- **स्वास्थ्य के क्षेत्र में** :–संस्था द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य संबन्धित जानकारीयां दी जा रही हैं। स्वयं सहायता समूहों की बैठकों के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारीयां दी जा रही हैं तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत भी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्वच्छता एवं शौचालय के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं। अस्वच्छता से होने वाली बिमारीयों को कार्यशालाओं के दौरान फोटो एवं विडियों के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है। समुदाय एवं स्वंय सहायता समुहो के साथ में टीकाकरण सत्र के दौरान विटामिन खुराक दी गई है।

- **<u>पर्यावरण के क्षेत्र में</u> :–** संस्था द्वारा डीएसटी, नई दिल्ली के सहयोग से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा हैं। पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए स्कूल, कॉलेज के बच्चों एवं समुदायिक लोगों के साथ क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्षेत्रिय भ्रमण करवाया गया। प्रशिक्षण कि दौरान टीम के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर पौधें लगाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया हैं। तथा हमारे प्रकृति में आज विलुप्त वनस्पतियों, जीव–जन्तुओं, पेड–पौधों का सर्वे कर उन्होंने फिर से हमारी प्रकृति में लाने के लिए प्रयासरत है।
- **<u>कृषि के क्षेत्र में</u> :–** संस्था द्वारा किसानों को नई आधुनिक तकनीकी खेती के बारे में NCDEX कार्यशालाओं का आयोजन कर जानकारीयां दिलवाई जा रही हैं। संस्था द्वारा प्रगतिशील कृषक एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 का रजिस्ट्रेशन कर गामीण क्षेत्र के किसानो को कम्पनी से जोडा जा रहा है। तथा कम्पनी के माध्यम से किसानों के साथ समय समय पर बैठक कर उनकी समस्याओं का निवारण किया जा रहा है। कृषि से सम्बन्धित सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारीयों के लिए संस्था द्वारा किसानो का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जाता है तथा कम्पनी के सदस्यों को तकनीकी खेती करने के लिए नई नई तकनीकी प्रशिक्षण एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, आस–पास के क्षैत्र के सक्रिय किसान, तकनीकी अनुसंधानों का भ्रमण करवाकर तकनीकी खेती करने की जानकारियां प्रदान की जा रही है। कम्पनी के द्वारा मिटटी जांच, खाद, बीज व कीटनाशाक दवाईयों के लाईलेंस के माध्यम से किसानों को उचित मूल्य व प्रमाणित खाद, बीज व कीटनाशाक दवाईयों का उपलब्ध करवाया जा रहा है। तथा उनके उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं। मण्डी लाईलेंस के माध्यम से किसानों की मेहनत से उत्पादित फसलों का उचित मुल्य दिलाया जा रहा है।

संस्था द्वारा वर्ष 2021–22 में संचालित योजना/परियोजनाऐः

आदिवासी समुदायों में डिजीटल व विज्ञान साक्षरताः– (DST परियोजना): संस्था के माध्यम से राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से झालावाड जिले के ब्लॉक मनोहरथाना में आदिवासी समुदायों में डिजीटल व विज्ञान साक्षरता एवं प्रकृति संवर्धन हेतु परिवर्तनकारी युवा निर्माण परियोजना कियान्वयन किया गया हैं। परियोजनान्तर्गत युवाओं को समुदाय सलाहकार के रूप में प्रषिक्षित कर क्षेत्रीय कार्यों से जोड़ा गया। ताकि वे अधिकाधिक समुदाय को विज्ञान हरितिमा से जोड़ सकें। विज्ञान हरितिमा संबंधी संदेषों का प्रचार–प्रसार किया गया जिसके द्वारा समुदाय को आधुनिक वैज्ञानिक हरितिमा की ओर ले जाने का प्रयास किया गया है।

झालावाड क्षेत्र में हो रही हरितिमा के ह्रास को समुदाय सलाहकारों के वैज्ञानिक संदेषों, क्षेत्रीय कार्यों व संस्था के प्रयासों से कम किया गया ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को वैज्ञानिक ज्ञान के माध्यम् से विज्ञान हरितिमा बनाए रखने के लिए तैयार हो सके है।

स्थानीय प्रषासन जैसे पंचायती राज विभाग, विकास अधिकारी, विद्यालय, कॉलेज आदि से संपर्क कर युवा सलाहकार विकसित करने हेतु निर्धारित मापदण्डानुसार युवाओं का चयन किया, पारिस्थितिकीय संतुलन व परिकृषि, पारिस्थितिकीय पुनर्स्थापना के लिए ईको यूरेका प्रषिक्षणों में ईको नव प्रायोगिक व सकारात्मक समझ का विकास करने हेतु प्रषिक्षणों का आयोजन किया गया।

1. प्रकृति और युवाओं के बीच जुड़ाव पर बल देना और इसके लिए क्षेत्र में उपलब्ध वैज्ञानिक संसाधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया
2. प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अभ्यासों को प्रकृति संवर्धक रूप में स्थापित किया।
3. ईको यूरेकाएवम् क्षमता वर्धन प्रषिक्षण का आयोजन (पांच दिवसीय प्रषिक्षण व 1 दिवसीय यूथ प्रोफाइलिग) 2 प्रषिक्षणों का आयोजन किया गया।
4. क्षेत्र में उपलब्ध वैज्ञानिक संस्थानों (क्षेत्र में उपलब्ध वैज्ञानिक संस्थानों (जैसे कि के.वी. के.विज्ञान कॉलेज–गवर्नमेन्ट पी.जी.कॉलेज, जी.वी. कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर, एम.एल.बी. गवर्नन्मेन्ट कॉलेज ऑफ़ साइंस आदिद्ध से संपर्क स्थापित कर प्रायोगिक मार्गदर्षिका का निर्माण व प्रषिक्षण में भाग लेने की सहमति प्राप्त करने साथ ही सतत् सहयोग लिया गया।

5. प्रषिक्षण से प्राप्त परिणामों का आकलन कर आगामी रणनीति का निर्धारण समुदाय के साथ मिलकर किया गया ताकि भविष्य में विभाग द्वारा आर्थिक सहयोग ने मिलने पर सक्षमता से परिस्थितिकी पुनर्जीविकरण से निरन्तर जोड़ने का प्रयास किया गया।
6. प्रषिक्षणार्थियों द्वारा किए जा रहे परिकृषि समाधान व परिपुनर्स्थापना हेतु सामुदायिक अभ्यासों की मॉनीटरिंग व दस्तावेज़ीकरण किया।
7. स्थानीय प्रषासन जैसे पंचायती राज विभाग, विकास अधिकारी, विद्यालय, कॉलेज आदि से संपर्क कर युवा सलाहकार विकसित करने हेतु युवाओं का चयन किया गया।
8. चयन के लिए मापदण्डों का निर्धारण करना– इस कार्य हेतु उन्हीं युवाओं का चयन किया गया जो पारिस्थितिकीय संतुलन व परिकृषि के प्रति अपना विष्वास रखते हों तथा पारिस्थितिकीय पुनर्स्थापना के लिए तैयार थें।
9. ईको यूरेका प्रषिक्षणों में विज्ञान हरितिमा सर्वदा, ईको नव प्रायोगिक व सकारात्मक समझ का विकास करने के लिए संवाद अपसी चर्चा के माध्यमों का प्रयोग किया गया।
10. प्रकृति और युवाओं के बीच जुड़ाव पर बल देना और इसके लिए क्षेत्र में उपलब्ध वैज्ञानिक संसाधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

11. प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अभ्यासों को प्रकृति संवर्धक रूप में स्थापित किया।
12. छात्र छात्राओं द्वारा अंगीकृत ईको नवाचार के लिए स्थलों को चयन कर समुदाय को पहल करने हेतु तैयार किया।

नाबार्ड किसान उत्पादन संगठन संघः–

संस्था द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से बारां जिले के ब्लॉक छीपाबड़ौद में एक किसान उत्पादक सगंठन स्थापित किया गया। इस संगठन को कम्पन्नी एक्ट में भारत सरकार द्वारा **''प्रगतिशील कृषक एग्रो उत्पादक कम्पन्नी लि0टे0 छीपाबड़ौद''** के नाम से पंजीकृत कि गई है। इससे ब्लॉक छीपाबड़ौद के किसानों को कम्पनी सदस्यों के रूप में जोड़ा जा रहा हैं। कम्पनी में अब तक 1500 किसान सदस्य जुड़ चुके है। कम्पनी द्वारा इस क्षैत्र में 3000 किसान जुडने का लक्ष्य है। इस कम्पनी द्वारा

खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों के लाईलेंस बनाये गये है जिनके माध्यम से कम्पनी से जुड़े किसानों को सरकार द्वारा प्रमाणित बीज, मिटट्री जांच, खाद व कीटनाशक दवाईयों उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाती है तथा जैविक खाद का उपयोग के लिए किसानों को जैविक खाद बनाने वाले किसानों के यहां भ्रमण कराया गया है। नई नई तकनीकी खेती के लिए सदस्यों की क्षमतावर्धन के लिए हेतु समय समय पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाते है। किसानों के खेत की मिट्टी की उर्वकता जांचने के लिए मिट्टी परीक्षण कराये गये है।

<u>स्वच्छ भारत मिशनः–</u> संस्था के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पर कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाको से सक्रिय व्यक्ति को प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से अस्वच्छता, गन्दगी, पानी के गढ्ढ़ों में भरे हुऐ पानी व अस्वच्छ जल आदि से फैलने वाली बिमारियों के बारे में फोटो, विडियों के माध्यम से स्वच्छ जानकारीयां दी गयी है। स्वच्छ भारत मिशन को बढ़ावा देते हुऐ शौचालय निर्माण से वचिंत परिवारों का सर्वे करना, गांव में रात्री चौपाल, नरेगा में मजदूरों के साथ बैठक करना, स्कूल के बच्चों के साथ रैली निकालना आदि कार्य किया गया। जिन ग्राम पचांयतों के गांवों में अभी तक शौचालय निर्माण से वचिंत परिवारों का सर्वे करना तथा ग्राम पंचायत की सहायता से स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय से विचित परिवार को स्वच्छ भारत मिशन से जोड़ते हुऐ शौचालय निर्माण किया जा रहा है।

किसान क्लबः– संस्था द्वारा स्वयं सहायता समूह के साथ–साथ खेती करने वाले किसानों का 10 से 20 किसानों का एक क्लब बनाकर कृषक क्लबों गठन किया गया था इनकी नियमित मासिक बैठकों का आयोजन किया जा रहा हैं। किसान क्लब प्रतिमाह बचत राशि एकत्रित करते हैं तथा क्लब के बैंक बचत खाते में जमा करवाया जा रहा हैं। किसान क्लबों के माध्यम से लोगों को तकनीकी खेती के बारे में ज्ञान करवाया जा रहा हैं। जिससे किसानों की फसलों के उत्पादन में वृद्वि की जा रहा हैं।

कार्यरत सभी कृषक क्लबों को मिलाकर एक किसान उत्पादक सगठन का निर्माण कर दिया गया हैं जो प्रगतिशील कृषक एग्रो प्रोड्युसर कम्पनी लि0 के नाम से रजिर्स्टड कराया गयी हैं इस कम्पनी में कृषक क्लबों के सदस्यो को शेयर देकर कम्पनी से जोड़ दिया गया हैं इस कम्पनी द्वारा खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों के लाईलेंस का रजिस्ट्रेशन करावा लिया गया हैं जिनके माध्यम से कम्पनी से जुड़े किसानों को सरकार द्वारा प्रमाणित बीज, खाद व कीटनाशक दवाईयों उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाती है। इन क्लबों को क्षमतावर्धन करने के लिए केन्द्रीय कृषि अभियात्रिकी संस्थान, भोपाल मध्यप्रदेष का भम्रण कराया गया है तथा क्षैत्र के आस–पास के सक्रिय किसानों से मिलाकर खेती के बारे में जानकारी दी जाती हैं

इन्दिरा रसोईः– राजस्थान सरकार द्वारा संचालित इन्दिरा रसोई योजनान्तर्गत नगर पालिका छबडा के सहयोग अशोका तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा बस स्टेण्ड छबडा में इन्दिरा रसोई व अग्निशमन मे इन्दिरा रसोई का संचालन किया जा रहा है। इन्दिरा रसोई द्वारा गरीब, बेघर लोगों को भोजन कराया जा रहा है। तथा संस्था के द्वारा समय समय पर रसोई के निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है। तथा संस्था को संभागिय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

दीनदयाल अन्त्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशनः– नगर पालिका क्षैत्र के अन्तर्गत दीनदयाल अन्त्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन परियोजना के तहत बीपीएल परिवार के स्वंय सहायता समूह का में गठन करना है। संस्था के द्वारा इस परियोजना में नगर पालिका छबड़ा, अन्ता, मांगरोल में ऐसे बीपीएल परिवार जो अत्यन्त गरीब हो तथा वह जो दीनदयाल अन्त्योदय राष्ट्रीय आजीविका मिशन परियोजना के पात्र है और स्वंय सहायता समूह से जुड़ना चाहती है। ऐसी 10 से 20 बीपीएल महिलाओं का एक समूह का गठन कर रहे है। इन 10 से 20 महिलाओं में से अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव का चयन किया जाता है। समूह के गठन होने के बाद उनकी तीन माह तक प्रतिमाह बैठक का आयोजन कर रहे है और बैठक के दौरान स्वंय सहायता समूह के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान कि जा रही हैं और जब समूह की महिलाओं को समूह के बारे में सम्पूर्ण जानकारी हो जाती है तब उस महिला स्वंय सहायता समूह की मोहर बनाकर उसका नजदीक बैंक में एक बचत खाता खुलवाया जा रहा हैं और समूह की प्रतिमाह बैठक कर उनकी मासिक बचत राशि बैंक में जमा करायी जा रही है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. NCDEX की प्रशिक्षण कार्यशाला: NCDEX नई दिल्ली के माध्यम से संस्था के द्वारा संचालित स्वंय सहायता समूह तथा किसान क्लबों के सदस्यों, किसान उत्पादक सगठन के सदस्यों को कृषि जोखिम प्रबंधक, तकनीकी कृषि, वायदा बाजार, बीज उपचार, कीटनाशक दवाईयां, प्रमाणित बीज, खाद, जैविक खाद, किसान उत्पादक सगठन आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

2. दूध–डेयरी प्रशिक्षण : Star Scheme के अन्तर्गत मोजाईक प्रा0 लि0 नई दिल्ली के माध्यम से संस्था के द्वारा संचालित स्वंय सहायता समूह तथा किसान क्लबों के सदस्यों व ग्रामीणों लोगों को गाय, भैसों की नस्लों के बारे में, दूध से बनने वाले पेय पदार्थ, दूध–डेयरी के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

<u>पांच दिवसीय सरंपच, वार्डपंच संवाद कार्यशाला:</u>

जिला परिषद बारां के सहयोग से छीपाबड़ौद ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंचायतीराज संस्थान से जुड़े सदस्यों से संवाद हेतु पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर के विकास के मुद्दों को समझना तथा इन मुद्दों पर पंचायतीराज संस्थान से जुड़े सदस्यों की भूमिका के सदंर्भ में चर्चा करना था। साथ ही साथ यह भी समझना कि ग्राम पंचायतों को किस प्रकार से विकास की एक ईकाई के रूप में विकसित किया जा सकता है। कार्यशाला सरपंचों ने अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि उनका मुख्य कार्य पंचायत स्तर पर होने वाले नरेगा एवं अन्य कार्यों की निगरानी करना है तथा समय–समय पर ग्रामसभा का आयोजन कर पंचायतों के विकास के लिए योजनाओं के संदर्भ में प्रस्ताव तैयार करना हैं।

सरपंचों के अधिकार बहुत सीमित हैं और पंचायत स्तर पर आने वाला बजट भी सीमित है। अतः विकास की प्रक्रिया सुचारू रूप से नहीं चल पाती। क्षेत्र में मुख्य समस्या फसलों के लिए पानी की उपलब्धता एवं फसलों का उचित मूल्य न मिलना है। सहभागियों ने बताया कि पंचायत स्तर पर ग्राम सेवकों, पटवारी, तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा उचित सहयोग न मिलना भी उनके लिए एक मुख्य चुनौति है।

पंचायत स्तर पर विकास कार्य के लिए संसाधन एकत्र करने के संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। इस संदर्भ में अरावली प्रतिनिधि द्वारा यह बताया गया कि पंचायत स्तर पर परियोजना प्रस्ताव का निर्माण करके जिला स्तर पर एवं राज्य स्तर पर प्रेषित करके संसाधन एकत्र करने के लिए प्रयास किया जा सकता है। चर्चा के दौरान स्वयं सहायता समूहों के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई और बताया गया कि इन समूहों के माध्यम से पंचायत स्तर पर विभिन्न प्रकार के छोटे छोटे उद्योग विकसित किये जा सकते हैं।

संस्था के सहयोगी विभाग व संस्थाऐः

1. जिला परिषद, बारां
2. जिला जल एवं स्वच्छता समिति, बारां
3. जिला बाल श्रम विभाग, बारां
4. कृषि विभाग, बारां
5. अरावली, कोटा
6. राष्ट्रीय आजीविका मिशन
7. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड जयपुर)
8. Health Department GoR,
9. State Forum on Natural Stone- Rajasthan
10. Alliance for Immunisation Rajasthan Chapter
11. Department of Women and Child Development
12. Consumer Unity & Trust Society (CUTS)
13. DEPARTMENT OFSCIENCE & TECHNOLOGY

संस्थागत स्टाफः

क्र.स.	नाम	पद	योग्यता	अनुभव
1.	कल्याण सिह कुशवाहा	सचिव	बी.काम	20 वर्ष
2	राकेश कुशवाह	कनिष्ट लेखाकार	बी.एस.सी	7 वर्ष
3	खेमचन्द कुशवाह	एसएचजी सुपरवाईजर	बीए	7 वर्ष
4	मुकेश बैरगी	एसएचजी बुक–कीपर	बीए	6 वर्ष
5	रेनुमा बानू	कार्यकता– एसएचजी	बीए	6 वर्ष
6	तरूण सोनी	कार्यकता– एसएचजी	बीए	5 वर्ष
7	आकाश शर्मा	कार्यकता–कृषि	बी.एस.सी	7 वर्ष
8	अनिल नागर	कार्यकता–कृषि	बी.एस.सी	5 वर्ष
9	गुलशन कुशवाह	कम्प्यूटर एवं प्रबन्धन	बी.एस.सी	4 वर्ष
10	दीपक कुशवाह	कार्यकता–कृषि	बीए	6 वर्ष

संस्थागत स्टाफ का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण:

क.स.	नम	पद	क्षमतावर्धन प्रशिक्षण
1.	कल्याण सिह कुशवाहा	सचिव	• पांच दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के लिए जयपुर प्रशिक्षण में भाग लिया गया। • पांच दिवसीय प्रशिक्षण कोटा में परियोजना प्रपोजल कार्यशाला में भाग लिया गया। • एक दिवसीय अकाउण्ट्स प्रशिक्षण कोटा में भाग लिया तथा संस्था अकाउण्ट्स के बारे में जानकारीयां प्राप्त की गई। • एक दिवसीय निरन्तर कार्यशाला कोटा में भाग लिया गया। • तीन दिवसीय आजीविका सुदृढ़ीकरण प्रशिक्षण जयपुर में भाग लिया गया। • 18 दिवसीय SAMDP कार्यशाला जोधपुर में भाग लिया गया।
2.	राकेश कुशवाह	परियोजना समन्वयक	• तीन दिवसीय पैरालिगल प्रशिक्षण कोटा में भाग लिया गया। • एक दिवसीय निरन्तर कार्यशाला कोटा में भाग लिया गया। • तीन दिवसीय संस्थागत मूल भूत लेखा जोखा प्रशिक्षण कार्याशाला कोटा में भाग लिया गया। • छः दिवसीय वाटरशेड ट्रेंनिंग जयपुर में भाग लिया गया। • चार दिवसीय कम्प्यूटर ट्रेंनिंग कोटा में भाग लिया गया।

संस्था के पास उपलब्ध संसाधनः

अशोका तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान का कार्यालय वर्तमान में किराये के भवन में संचालित है तथा संस्था के पास कार्यक्षेत्र में जाने के लिए निजी परिवहन व्यवस्था, संचार साधन, फर्नीचर व्यवस्था, सरकारी योजनाओ के लिए पुस्तकालय व्यवस्था तथा अन्य संसाधन उपलबध है।

क्रं0सं0	संस्था संसाधन	संख्या
1	कार्यालय भवन	कार्यालय रूम–1, मिटिंग रूम–1
2	परिवहन	मोटर साईकिल–3

3	फनीचर	टेबल–3, चेयर–10, आलमारी–1
4	इलेक्टोनिक्स साधन	कम्प्युटर–2, प्रिन्ट–1
5	इलेक्टोनिक्स साधन	कैमरा, प्रोजेक्टर

संस्था की वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यो की सूची

क्र.सं	नाम	पिता का नाम	पद	पता
1.	श्री कल्याण सिह	श्री चतुर्भुज	सचिव	वार्ड न. 23, छीपाबडौद
2.	श्री राजेन्द्र कुमार	श्री अमरलाल	कोषाध्यक्ष	ग्राम कुण्डी, तहसील–अटरू
3.	श्री घनश्याम कुशवाह	श्री पूरणमल	कोषाध्यक्ष	ग्राम कुण्डी, तहसील–अटरू
4.	श्री दीपक कुशवाह	श्री मोहनलाल	साधारण सदस्य	वार्ड न. 23, छीपाबडौद
5.	श्री भगवान लाल	श्री मुलचन्द	साधारण सदस्य	ग्राम–नाहरगढ़, तहसील–किशनगंज

संस्था के भविष्य की योजनाऐं:

बकरी पालन एवं प्रबन्धन परियोजना – छीपाबड़ौद ब्लॉक के ग्राम पंचायत दिगोद खालसा में बकरी पालन करने वाले परिवारों का बकरियों के रखरखाव व प्रबन्धन का सही ज्ञान न होना जैसी बातों को ध्यान में रखते हुए बकरीपालन व्यवसाय से जुड़े बकरी पालकों के लिए बकरी रखरखाव व प्रबन्धन पर काम करने की जरूरत महसूस की गई जिससे बकरीपालन से जुड़े कृषकों को आ रही परेशानियों का सामना आसानी से कर सके तथा बकरी पालन व्यवसाय को सरल एवं सुगम बना सकें। इसके लिए बकरी पालन एवं प्रबन्धन परियोजना प्रस्ताव तैयार कर लिया गया तथा इस प्रस्ताव को स्वीकृती हेतू विभिन्न सरकारी विभागों तथा दानदाता संस्थाओं को भिजवाया जायेगा। जिससे बकरी पालन करने वाले परिवारों को आ रही समस्याओं को दूर कीया जा सकेगा।अतः यह प्रयोगिक परियोजना उन सभी गतिविधियों का समूह है जो विभिन्न प्रयासों द्वारा बकरीपालन व्यवसाय को आर्थिक रुप से लाभदायी बनाने का प्रयास करेगी।

नाबार्ड परियोजना का विस्तार – संस्था द्वारा नाबार्ड परियोजनके तहत स्वीकृत 50 स्वयं सहायता समूहों का गठन कर बैंक से लिंकेज करवा दिया गया। इन समूहों की मासिक बैठके प्रतिमाह सुचारू रूप से आयोजित की जा रही हैं रिकार्ड संधारण कर बैंक प्रक्रिया के बारे में ज्ञान करवाया जा रहा हैं। साथ खेती करने वाले किसानों के कृषक क्लबों का निमार्ण किया जा रहा हैं तथा तकनीकी खेती के बारे में ज्ञान

करवाया जा रहा हैं।भविष्य में संस्था इसी कार्य को आगे बढाकर ग्रामिण क्षेत्र में निवास कर रहे गरीब एवं असहाय परिवारों के 200 स्वयं सहायता समूह तथा खेती करने वाले किसानों के 50 कृषक क्लब तैयार किये जायेगें। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को छोटे–छोटे स्तर पर बचत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा तथा इनकों नाबार्ड के सहयोग से विभिन्न आय जनक गतिविधियों से जोड़ा जायेगा। खेती करने वाले किसानों के कृषक क्लब तैयार कर तकनीकी खेती करने के लिए प्रेरित किया जायेगा तथा प्रमाणित खाद–बीज उपलब्ध करवाया जायेगा।

संस्था की आगामी परियोजना :

1. **कृषि आधारित कार्यक्रम :–**

   - **बकरी पालन परियोजना :** –नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा दिगोद खालसा, राई, पछाड, सेतकोलू, बमोरी घाट इन पाँच ग्राम पचांयतों में कृषक क्लब के सदस्यों के समूह बनाकर अच्छी नस्ल का बकरा–बकरी प्रत्येक सदस्य को 10 बकरी 1 बकरा दिलवाकर भविष्य में संस्था निरन्तर कार्य करना चाहती है।

   - **मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाः**–संस्था द्वारा आत्मा कृषि विभाग के सहयोग से छीपाबड़ौद में एक मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का निर्माण करवाने की परियोजना बना रही है जिससे आपस पास के किसानों के खेती कि मिट्टी का परीक्षण कर उनके के लिए उपयोगी खाद, बीज व दवाऐं उपलब्ध करा सके।

2. स्वंय सहायता समूह कार्यक्रम : –नाबार्ड के सहयोग से संस्था द्वारा ब्लॉक छीपाबडौंद 50 समूह व ब्लॉक अटरू में 100 समूहों को निरन्तर कार्यक्रम करने के लिए आगामी वर्षो में 10–10 समूह बनाकर एक कलस्टर बनाकर 10 कलस्टर पर एक फेडरेशन तैयार कर संचालन किया जावेगा।

3. महिला जागरूकता शिविरः–संस्था द्वारा राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड जयपुर के सहयोग से ग्रामिण एवं निर्धन महिलाओं के लिए जागरूकता प्रसार शिविरों का आयोजन किया जायेगा तथा शिविरों के माध्यम से महिला शिक्षा, कन्या भ्रुण हत्या, बाल विवाह, बालश्रम, महिला शशक्तिकरण, महिला हिंसा, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति आदि के बारे में जानकारीयां दी जायेगी।

4. राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियानः–संस्था द्वारा कट्स जयपुर के सहयोग से राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा हैं। जिसमें पर्यावरण को बढावा देने के लिए लोगों को

जागरूक किया जा रहा हैं। पंचायत स्तरों पर कार्यशालाओं का आयोजन करके लोगों को पर्यावरण के बारे में जानकारियां दी जा रही हैं जिससे पर्यावरण को बढावा मिल सके।

5. आईसीआईसीआई बैंक से संस्था का लिंकेज करवानाः संस्था द्वारा आईसीआईसीआई बैंक के साथ संस्था को टाईप कर संस्था के द्वारा अटरू, छबड़ा, छीपाबड़ौद, अन्ता, मांगरोल में संचालित किये जा रहे स्वंय सहायता समूहों को आईसीआईसीआई से लोनिंग करना तथा छबड़ा, छीपाबड़ौद व अटरू में भविष्य में सघन रूप से लम्बे समय तक स्वंय सहायता समूह के साथ कार्य करने का लक्ष्य है।